सहायक कलक्टर बस्सी जि. जयपुर

दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	01/2021 मंगल बनाम गोपी (आज्ञा विस्तृत विवरण)	विशेष विवरण
05/07/24	पत्रावली पेश हुई। प्रार्थी की ओर से एड. श्री विनोद शर्मा एवं अप्रार्थीगण की ओर से एड. श्री राजेश शर्मा उपस्थित। उभयपक्ष अधिवक्ता द्वारा प्रार्थना पत्र नाम दर्ज किये जाने एवं प्रार्थना पत्र धारा 151 सीपीसी दोनो पर बहस की गई। उभयपक्ष अधिवक्ता की उक्त दोनो प्रार्थना पत्रों पर बहस सुनी गयी। पत्रावली पर उपलब्ध रिकार्ड का अवलोकन करने एवं उभयपक्ष अधिवक्ता द्वारा प्रार्थना पत्र नाम दर्ज किये जाने पर बहस सुनने के उपरान्त न्यायहित को ध्यान मे रखते हुऐ मृतक अप्रार्थी गोपी पुत्र गंगाराम के वारिस पहले ही वादपत्र मे पक्षकार होने से प्रार्थी का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर मृतक गोपी पुत्र गंगाराम के नाम के आगे नाम दर्ज शब्द अंकित किये जाने के आदेश दिये जाते है। प्रार्थना पत्र धारा 151 सीपीसी पर दौराने बहस प्रार्थी अधिवक्ता ने निवेदन किया कि मंगल बनाम गोपी उनवानी प्रकरण इस न्यायालय मे पूर्व मे विचाराधीन रहा है जिसका वादी के पक्ष मे निर्णय व डिक्री दिनांक 21/06/2017 को पारित करते हुऐ वादग्रस्त आराजी के 1/8 हिस्से का खातेदार काश्तकार घोषित किया गया है एवं उक्त निर्णय एवं	

क्रम संख्या	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से
		डिक्री की पालना हेतु इस न्यायालय मे इजराय प्रार्थना पत्र विचाराधीन है एवं इजराय की पालना होने तक रिकार्ड एवं मौके कि यथास्थिति बनाये रखने हेतु अप्रार्थीगणों को पाबन्द किये जाने हेतु आदेश प्रदान किये जाने का निवेदन किया। उक्त प्रार्थना पत्र का अप्रार्थी अधिवक्ता ने जवाब प्रस्तुत कर प्रार्थना पत्र मे वर्णित तथ्यों को दोहराते हुऐ उक्त प्रार्थना पत्र कानूनी प्रावधानों के अनुसार मेन्टेनेबल नही होने के कारण भारी हर्जे खर्चे के सहित खारिज फरमाये जाने हेतु निवेदन किया। पत्रावली पर उपलब्ध रिकार्ड का अवलोकन करने एवं उभयपक्ष अधिवक्ता की उक्त प्रार्थना पत्र धारा 151 सीपीसी पर बहस पर मनन करने के उपरान्त हम पाते है कि इस न्यायालय मे प्रार्थना पत्र मे वर्णित भूमि के संबंध मे वाद विचाराधीन रहा है जिसका निस्तारण किया जा चुका है एवं निर्णय व डिक्री की पालना करवाने हेतु प्रार्थी ने इजराय प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया हुआ है। इजराय की पालना इस न्यायालय द्वारा जारी स्थगन आदेश से प्रभावित हो रही है अतः प्रार्थी

दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
	द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र धारा 151 सीपीसी बाबत स्थगन आदेश जारी किये का खारिज किया जाता है पत्रावली नम्बर से कम होकर बाद तकमील दाखिल दफ्तर हो। [signature]	